नशे में दौड़ाई स्कार्पियो, चार लोग घायल

- निगम चौराहे पर हुई घटना, 7 वाहन भी क्षतिग्रस्त
- टक्कर मारते हुए शोरूम में घुसाई गाड़ी, चालक हिरासत में

इंदौर. शहर के व्यस्ततम निगम चौराहे पर गुरुवार को नशे में तेज रफ्तार से बड़ा हादसा हो गया. निगम चौराहे पर बेकाबू स्कॉर्पियों के चालक ने नशे शोरुम में घुसाई कार. जिसमें सात वाहन क्षतिग्रस्त हो गए जबकि चार लोग घायल हुए हैं, पुलिस ने आरोपी हिरासत में लेकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज जांच शुरु की.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक एक स्कॉर्पियो वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और सामने जा रहे लोगों व वाहनों को टक्कर मारते हुए सीधे एक कपड़े के शोरूम में जा घुसा. घटना के समय चौराहे पर काफी आवाजाही थी, जिससे अफरा-तफरी मच गई. मामले में फरियादी 35 वर्षीय राहुल जैन निवासी पेन जॉन कॉलोनी की रिपोर्ट पर पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक गजानंद मालवीय निवासी भवानी नगर, सांवेर रोड के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. एमजी रोड थाना प्रभारी विजय सिंह सिसौदिया ने बताया कि चालक नशे की हालत में पाया गया. उसे हिरासत में लेकर वाहन जब्त कर लिया है. प्रारंभिक जानकारी में यह पता चला है कि हादसे में सात दोपहिया और चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं. वहीं चार लोग घायल हुए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. घायलों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है.

यातायात किया डायवर्ट

घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए. पुलिस ने क्षेत्र को घेराबंदी कर यातायात डायवर्ट किया और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया. सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि घटना की पूरी श्रृंखला स्पष्ट हो सके. पुलिस का कहना है कि मेडिकल जांच रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

फिर खुली पुलिस चेकिंग की पोल...

जिलेभर में पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के दावे किए जा रहे हैं. रात में चेकिंग पॉइंट, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई और जागरूकता अभियान भी लगातार जारी हैं. बावजूद इसके शहर की सड़कों पर नशे में धुत चालकों के कारण बड़े हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे. निगम चौराहे की ताजा घटना ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं कि जब अभियान सक्रिय है तो फिर ऐसे चालक चेकिंग से बचकर कैसे निकल रहे हैं? इससे पहले एरोड्रम रोड पर भी नशे में कार चला रहे युवक ने कई लोगों को टक्कर मार दी थी. वहीं भंवरकुआं थाना क्षेत्र में भी इसी तरह एक कार सवार ने राहगीरों को रौंद दिया था, बाद में वह भी नशे की हालत में पाया गया था. लगातार सामने आ रहे इन मामलों से साफ है कि या तो चेकिंग में कहीं न कहीं चूक हो रही है या फिर कार्रवाई का खौफ पर्याप्त नहीं बन पा रहा. सवाल यह है कि आखिर बार-बार हो रहे ऐसे हादसों पर लगाम कब लगेगी?

दो शावकों संग मादा तेंदुए की आहट से ग्रामीण हुए सतर्क

- डबलचौकी के शिवनी इलाके में वन अमले ने की पदचिह्नों से ट्रैकिंग शुरु

नव भारत न्यूज

इंदौर. पिछले वर्ष जिस स्थान पर तेंदुए का शव मिला था, अब उसी इलाके में एक मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ देखे जाने की खबरों ने फिर हलचल बढ़ा दी है. डबलचौकी क्षेत्र के शिवनी गांव के आसपास बीते कुछ दिनों से वन्यजीव की गतिविधियां तेज होने के संकेत मिले हैं. ग्रामीणों में एहतियात का माहौल है, हालांकि फिलहाल किसी पशु या मवेशी के शिकार की पुष्टि नहीं हुई है.

गौरतलब है कि वर्षभर पहले इसी क्षेत्र में एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिला था, जिसके दोनों पंजे काटे गए थे. मामले ने वन्यजीव तस्करी और क्रूरता को लेकर कई सवाल खड़े किए थे. जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा था. अब ताजा घटनाक्रम में खेतों और पहाड़ी इलाकों के आसपास तेंदुए के पदचिह्न मिलने से वन विभाग सक्रिय हो गया है. अधिकारियों का कहना है कि पदचिह्नों के आधार पर मादा तेंदुआ और उसके दो शावकों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है. वन अमले ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी जा रही है.

मूवमेंट ट्रैक कर रही वन विभाग की टीम

वन परिक्षेत्र अधिकारी संगीता ठाकुर का कहना है कि, टीम लगातार मूवमेंट ट्रैक कर रही है. ग्रामीणों को रात में अकेले न निकलने, मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर बांधने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने की सलाह दी गई है. फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन शावकों की मौजूदगी के चलते वन विभाग अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है, ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले आवश्यक कदम उठाए जा सकें.

एक नजर में

आधे घंटे हुई तेज बारिश, गेहूं की खड़ी फसल खेतों में आड़ी पड़ी

महू. महू और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बुधवार देर रात मौसम में अचानक बदलाव आया. तेज हवा, आंधी और बारिश के कारण क्षेत्र के 10 से अधिक गांवों में खड़ी फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं. महू तहसील के बसी पिपरी, आशापुरा, बड़गोंदा और चोरल जैसे क्षेत्रों में गेहूं की फसलें खेतों में आड़ी गिर गईं. तेज हवाओं के कारण तैयार फसलें जमीन पर बिछ गईं. इस बेमौसम बारिश से कटाई और उपज दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है. किसानों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा से उनकी महीनों की मेहनत प्रभावित हुई है. किसान सुभाष वर्मा ने बताया कि बुधवार रात करीब 1 बजे अचानक बारिश शुरू हुई और लगभग 30 मिनट तक तेज पानी गिरा, जिससे उनकी गेहूं की फसल खराब हो गई. सुभाष सहित अन्य किसानों ने प्रशासन से जल्द से जल्द फसल नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है. प्रभावित किसानों में सुभाष वर्मा, राजेंद्र सिंह ठाकुर, पूर्व फौजी मदन, बद्री लाल, भेरु नायक, बलराम नायक, रंजीत नायक, राजेश नायक और दिनेश परसराम शामिल हैं. इन सभी किसानों की गेहूं की खड़ी फसलें बर्बाद हुई हैं.

नाली में गिरे सांड को कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला

महू. नगर की नीम गली के पीछे गुरुवार दोपहर एक सांड गहरी नाली में गिर गया. करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे सही-सलामत बाहर निकाल लिया गया. सांड नाली में इस कदर फंस गया था कि वह बाहर निकलने के लिए काफी देर तक तड़पता रहा. उसकी आवाजें सुनकर आसपास के रहने वाले लोग वहां जमा हो गए. खबर मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए. स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने मिलकर रेस्क्यू किया. कड़ी मशक्कत के बाद भारी-भरकम सांड को रस्सियों की मदद से काफी खींचतान के बाद बाहर निकाला जा सका. जब तक सांड बाहर नहीं निकला, तब तक इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. सांड के बाहर निकलने पर लोगों ने राहत की सांस ली. इस दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई. हालांकि, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी भी दिखी. उन्होंने नगर प्रशासन से मांग की है कि इलाके की खुली और टूटी-फूटी नालियों को जल्द सुधारा जाए, ताकि आगे कोई जानवर या इंसान इस तरह हादसे का शिकार न हो.

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई

महू. पूरे भारत को एक सूत्र में बांधने वाले और पूरी दुनिया में हिंदुत्व का डंका बजाने वाले, अपनी कुशल युद्ध नीति से मुगलों को परास्त करने वाले, हम सबके मान सम्मान स्वाभिमान के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती इंदौर में भारत रक्षा मंच के तत्वावधान में धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर मंच के पदाधिकारियों द्वारा शिवाजी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. ढोल-नगाड़े के साथ रैली भी निकाली गई. कार्यक्रम में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव विशेष रूप से उपस्थित थे. इस अवसर पर शिवाजी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते उनकी वीरता, त्याग, समर्पण, देश प्रेम को लेकर प्रकाश डाला गया. साथ ही लोगों से भारत की एकता, अखंडता के साथ विश्व गुरु बनाने में अपना योगदान देने की अपील की गई. कार्यक्रम में भारत रक्षा मंच की रीता प्रधान, राजेश बिंजवे, पंकज सोलंकी, सचिन यादव, गौरव अग्रवाल, चंदा कुंडलवाल, धर्मेंद्र जोशी, शरद शेखावत सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे.

देर रात जीएनटी मार्केट के पीठे में भीषण आग

फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

इंदौर. जीएनटी मार्केट स्थित एक लकड़ी के पीठे में देर रात अचानक भीषण आग लग गई. सूखे बुरादे और लकड़ियों के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया, जिससे पूरे मार्केट क्षेत्र में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को और फैलने से रोका.

फायर ब्रिगेड के मुताबिक, आग लगने की सूचना रात करीब 11 बजे मिली. आग जाकिर पिता साहिल अहमद के लकड़ी के पीठे में लगी थी. प्रारंभिक जांच में आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट-सर्किट माना जा रहा है. देखते ही देखते आग ने वहां रखी जलाऊ लकड़ी और भारी मात्रा में रखे बुरादे को अपनी चपेट में ले लिया. सूचना मिलते ही दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. टीम ने करीब दो हजार लीटर पानी की मदद से एक घंटे तक कड़ी मशक्कत की, तब कहीं जाकर आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका. आगजनी में पीठे में रखी जलाऊ लकड़ी, बुरादा और अन्य कीमती सामान जलकर खाक हो गया. चूंकि जीएनटी मार्केट में लकड़ियों का बड़ा भंडार रहता है, इसलिए आग की खबर मिलते ही अन्य पीठा संचालकों और व्यवसायियों में हड़कंप मच गया. बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुंच गए थे,

कॉम्बो ऑपरेशन : कुख्यात नाथ बस्ती में आधी रात दबिश

- ड्रग तस्करों और बदमाशों में मचा हड़कंप

इंदौर. शहर में अपराधियों और नशा माफियाओं के खिलाफ इंदौर पुलिस का कड़ा प्रहार जारी है. बीती रात द्वारकापुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुख्यात नाथ बस्ती में पुलिस के आला अधिकारियों ने भारी बल के साथ कॉम्बो ऑपरेशन चलाकर सघन तलाशी ली. अचानक हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र के असामाजिक तत्वों और लिस्टेड बदमाशों में हड़कंप मच गया.

मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर रात करीब 11 बजे एडिशनल डीसीपी (जोन-4) दिशेष अग्रवाल और एसीपी शिवेंदु जोशी सीधे द्वारकापुरी थाने पहुंचे. यहां से थाना प्रभारी मनीष मिश्रा और पुलिस बल को साथ लेकर टीम सीधे नाथ बस्ती पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी.

हथियार और अवैध शराब जब्त-पुलिस टीम ने बस्ती में संदिग्ध ठिकानों और बदमाशों के घरों की सघन सर्चिंग की. इस दौरान एक आरोपी को अवैध चाकू के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया, जिस पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. एक अन्य आरोपी को अवैध शराब की तस्करी करते हुए पकड़ा, जिसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है.

लेडी ड्रग तस्कर सीमा नाथ के घर की तलाशी

कार्रवाई के दौरान पिछले दिनों पकड़ी गई कुख्यात महिला ड्रग तस्कर सीमा नाथ के घर और उसके सहयोगियों के ठिकानों की भी बारीकी से तलाशी ली गई. थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि इस सर्चिंग ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य नशे के कारोबार की कमर तोड़ना था. इस तरह की जांच आगे भी जारी रहेगी.

ब्रेन डेड विजय जायसवाल के अंगदान से चार मरीजों को मिला जीवन

- हार्ट, लिवर और दोनों किडनियां प्रत्यारोपित
- शहर में बने दो ग्रीन कॉरिडोर, शासकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

इंदौर. सड़क हादसे में घायल होने के बाद ब्रेन डेड घोषित किए गए खरगोन के गांवशिंदे कॉलोनी निवासी 49 वर्षीय विजय जायसवाल के परिजनों ने अंगदान की सहमति देकर चार मरीजों को नया जीवन देने का निर्णय लिया. इंदौर में देर रात दो ग्रीन कॉरिडोर बनाकर विजय के अंगों को समय पर अस्पतालों तक पहुंचाया गया.

15 फरवरी को दुर्घटना के बाद जुपिटर विशेष हॉस्पिटल में भर्ती विजय जायसवाल को चिकित्सकों ने ब्रेन डेड घोषित किया था. उनकी पत्नी आराधना जायसवाल, भाई विनोद, विशाल जायसवाल और बेटे प्रथमेश के साथ मुस्कान ग्रुप की तीन दिन चली काउंसलिंग के बाद परिजनों ने अंगदान की अनुमति दी. जिसके बाद पहला ग्रीन कॉरिडोर रात 10.37 से 10.52 बजे तक एयरपोर्ट के लिए बनाया गया, जिसके माध्यम से हृदय अहमदाबाद भेजा, दूसरा ग्रीन कॉरिडोर 11.15 से 11.21 बजे तक चोइथराम हॉस्पिटल के लिए बना. जहां लिवर 68 वर्षीय मरीज, एक किडनी 42 वर्षीय तथा दूसरी 48 वर्षीय मरीज को प्रत्यारोपित की गई. इंदौर में सभी प्रत्यारोपण सफल रहे. मेडिको-लीगल प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम और पुलिस कार्रवाई पूरी कर गुरुवार को शासकीय सम्मान के साथ पार्थिव देह को खरगोन रवाना कर दिया. इस पूरी प्रक्रिया में स्वास्थ्य विभाग, सोटो और प्रशासन की विशेष निगरानी रही.

आय से अधिक संपत्ति मामले में एफआईआर रद्द करने से हाईकोर्ट का इंकार

इंदौर खंडपीठ ने कहा- इस स्तर पर 'मिनी ट्रायल' संभव नहीं, जांच और अभियोजन जारी रहेंगे

नव भारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने आय से अधिक संपत्ति के प्रकरण में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने से इंकार कर दिया है. अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया अपराध संबंधी सामग्री उपलब्ध होने पर जांच प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता.

लोकायुक्त की अधिकृत जानकारी के अनुसार आरोपी भूपेंद्रसिंह भाटी ने एफआईआर निरस्त कराने के लिए एमसीआरसी दायर की थी. याचिका में विभिन्न आधारों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण को रद्द करने की मांग की गई थी. आवेदक ने गणना संबंधी त्रुटियों का हवाला भी दिया था. मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला एवं न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की द्वैधपीठ ने की. पीठ ने कहा कि एफआईआर निरस्तीकरण की कार्रवाई में साक्ष्यों का विस्तृत परीक्षण नहीं किया जा सकता और इसे 'मिनी ट्रायल' का रूप नहीं दिया जा सकता. लोकायुक्त पक्ष की ओर से न्यायालय को बताया गया कि ताजा जांच में अनुपातहीन संपत्ति पाए जाने के तथ्य सामने आए हैं. इस पर न्यायालय ने जांच एवं अभियोजन की प्रक्रिया में हस्तक्षेप से इंकार करते हुए याचिका खारिज कर दी. प्रकरण में लोकायुक्त इंदौर संभाग के पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय, अनुसंधानकर्ता अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक सुनील तालान तथा विभाग की ओर से स्थायी अधिवक्ता प्रसन्ना प्रसाद ने पक्ष रखा. अदालत ने प्रस्तुत तथ्यों से सहमति व्यक्त करते हुए याचिका निरस्त कर दी.

समस्या ▶ मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे भूरी टेकरी पर मल्टी फ्लैटों के रहवासी

दो-दो दिन तक नहीं आता पानी, लिफ्ट कई दिनों से बंद, परिसर में गंदगी का आलम

इंदौर. कनाडिया रोड से लगे वार्ड क्रमांक 76 की भूरी टेकरी पर नगर निगम द्वारा बनाए गए मल्टी फ्लैटों में रह रहे सैकड़ों परिवार आज मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं. मजदूर और गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले इन लोगों को बेहतर आवास और जीवन स्तर के उद्देश्य से मल्टी में शिफ्ट किया गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

शुरुआती तीन वर्षों तक नगर निगम ने मेंटेनेंस संभाला, उसके बाद जिम्मेदारी रहवासियों की कमेटी को सौंप दी गई. आरोप है कि कई लोग मेंटेनेंस राशि जमा नहीं करते, जबकि नियमित भुगतान करने वालों को भी सुविधाएं नहीं मिल रहीं. आठ मंजिला इमारतों में दो-दो दिन तक पानी की आपूर्ति बाधित रहती है, लिफ्ट अक्सर कई दिनों तक बंद रहती है और परिसर में गंदगी फैली रहती है.

रहवासियों का कहना है कि जिस उद्देश्य से उन्हें यहां बसाया गया था, वह अधूरा साबित हो रहा है. लोगों ने मांग की है कि नगर निगम के अधिकारी स्वयं मौके पर आकर व्यवस्था संभालें और मेंटेनेंस की पारदर्शी वसूली सुनिश्चित करें, ताकि मल्टी वासियों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें.

यह बोले रहवासी...

पूरी मल्टी में सभी मजदूर लोग हैं, सुबह काम पर जाते हैं, पानी चाहिए, साफ सफाई चाहिए, लिफ्ट चाहिए, मेंटेनेंस देने के बाद भी सुविधा नहीं मिल रही.

- तारा बाई

शुरुआती दौर में तीन साल नगर निगम ने मेंटेनेंस संभाला था, अब हम सभी यही चाहते हैं कि दोबारा नगर निगम मेंटेनेंस अपने हाथ में ले, ताकि सबको सुविधा मिल सके.

- ज्योति केतवास

लोग टीन के मकान में रह रहे थे, मल्टी का प्रस्ताव आया तो सभी ने सोचा कि जीवन स्तर अच्छा होगा, लेकिन यहां भी असुविधाओं के बीच जीना पड़ रहा है.

- विनोद दुलगज

कमिश्नर और कमेटी पदाधिकारियों से बात करूंगी

असुविधाओं की शिकायत मिलती रही है, हालांकि नगर निगम द्वारा वहीं के लोगों को कमेटी बनाकर मेंटेनेंस सौपा है, फिर भी मैं निगम कमिश्नर एवं कमेटी के पदाधिकारियों से बात करूंगी.

- सीमा सोलंकी, पार्षद